पिया... आओ चलें फूलबाग में
आओ बैठे वहाँ,फूलों की जहाँ,
लहलहाती हैं फुलवारियां

1- पछिम की दीवाल से लगता हुआ,
फूलों की महक से महकता हुआ
चौरस है एक चबूतरा और,
चारों कोनों में चेहेबच्चा
कई हारें बगीचों की,उज्जवलता है नहरों की
परआत्म की खुशहालियां

2- कई कई रंगों के फूल खिले,
हर डाल पात रंग नूर भरे
आनंदित हो जाए तन मन,
जब ठंडी ठंडी पवन चले
कई गलियां फूल रस्ते,हक हादी रमण करते
संग साथ लिए मेहरबान

Nijanand App

3- चेहेबच्चों से फव्वारे चलें,
शीतल निर्मल जल धार बड़े
कई रंग बिरंगी किरणों के,
मानिंद जब आपस में आ मिलें
सुन्दरता यूं लगती है,ज्यों नूर के मोति हैं
और नूर की रंगीनियां

4- अठखेलियां करते पसु पंखी,
मुख में श्री राज की रसना है
ये शोभा हक के दिल माफक,
और नित्य विहार ये अपना है
इन बाग बहारों में,इन नूरे नज़ारों में
मेरे साहेब की हैं खूबियां

Nijanand App